अम्मी ने भाई बहन का निकाह करवा दिया

“फॅमिली ग्रुप सेक्स कहानी में मेरी अम्मी ने मेरा निकाह मेरी बहन से करवा दिया. वह अभी तक कुंवारी थी. फिर मुझे उसके साथ कमरे में चुदाई के लिए भेज दिया. …”

Story By: आलम अलवर (aalamalwar)
Posted: Saturday, September 2nd, 2023
Categories: भाई बहन
Online version: अम्मी ने भाई बहन का निकाह करवा दिया

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अम्मी ने भाई बहन का निकाह करवा दिया

फॅमिली ग्रुप सेक्स कहानी में मेरी अम्मी ने मेरा निकाह मेरी बहन से करवा दिया. वह अभी तक कुंवारी थी. फिर मुझे उसके साथ कमरे में चुदाई के लिए भेज दिया.

मेरी पिछली कहानी
अम्मी दामाद के भाई से चुद गई
में आपने पढ़ा कि मेरी अम्मी मुझे साथ लेकर मेरी बड़ी बहन अमीरा का रिश्ता तय करने गई तो रिश्ता तय करने के साथ साथ वे दूल्हे रमीज़ के छोटे भाई कलीम के बड़े लंड से भी चुद आई.

अब आगे आलम अलवर की फॅमिली ग्रुप सेक्स कहानी :

घर में घुसते ही महजबीं भागती हुई आई- अम्मी अम्मी, बताओ क्या हुआ ? रिश्ता पक्का हो गया क्या ? कैसे है जीजा जी, उनकी फ़ोटो लाई हो क्या ?
अम्मी- अरे रुक तो जा … पहले अंदर तो आने दे !

महजबीं- नहीं अम्मी, पहले फ़ोटो दिखाओ, फिर अंदर आना.

अम्मी ने रमीज़ की फोटो उसको दे दी।
महजबीं फ़ोटो देख कर उदास हो गई।

अम्मी- क्या हुआ, क्यों उदास हो गई ?
वह्बोली- अम्मी, ये तो काला है और खूबसूरत भी नहीं है।

अम्मी उसको समझाने लगी- बेटी, तन काला जरूर है पर मन का साफ है। अमीरा बहुत

खुश रहेगी. वैसे अमीरा कहाँ है ?
महजबीं- अम्मी, वह मामा के यहां गयी है, अब आती होगी.

मैं- अम्मी, मैं उसको बुला के लाता हूँ.
अम्मी- ठीक है, जा बुला कर ला !

मैं मामा की दुकान पर गया पर दुकान बंद थी.
तो मैं मामा के कमरे की तरफ गया.

वहां मुझे मामा और अमीरा की आवाज़ें आने लगी।
मैं चुपके से अंदर देखने लगा.

अंदर अमीरा मामा के लंड पर बैठ के मजे से चुदा रही थी।
मैं बाहर से बोला- आपा, आपको अम्मी बुला रही है।

मामा डर के अमीरा को हटाने लगे पर अमीरा ने रोक लिया और चुदती हुई मुझे बोली- तुम रुको बाहर, मैं मामा से मालिश करवा के आती हूँ।

मैं बाहर की ओर देखने लगा.

मामा- चली जाओ, वरना यह सब बता देगा।
अमीरा- आलम भाई तो भोला है. उसको कुछ नहीं पता. और अगर बता भी दिया तो क्या होगा, अम्मी को तो सब पता है।

मामा- फिर भी … अब जल्दी कर के चलते हैं। तेरे खसम का फोटो भी देखना है।
अमीरा मामा को गुस्से में मुक्के मारने लगी- मेरा खसम तो तुम ही हो। आप कहो तो इस रिश्ते से इन्कार कर दूँ ?

मामा- अरे नहीं मेरी जान, शादी कर लो. तन से उसकी, मन से मेरी रहना। अब जल्दी करो अमीरा, फिर घर चलते हैं।

अमीरा अब जोर जोर से उछल उछल के लंड लेने लगी।
कुछ धक्कों में दोनों का रस निकल गया।

अब दोनों कपड़े पहन कर बाहर आ गये।
मैं दरवाजे से थोड़ा दूर हट गया.

वे दोनों बाहर आये।

मैं- आपा, आप नंगी होकर क्यों मालिश करवा रही थी ?
अमीरा- जाने दे … तू अभी छोटा है. जब बड़ा हो जाएगा, तब समझ आएगा.

फिर हम घर आ गए।

रात को अमीरा अम्मी से- अम्मी, बताओ रमीज़ कैसा है ? कैसा दिखता है ? उसका लंड तो बड़ा है ना ?

अम्मी ने अपनी चूत उसको दिखाकर बोली- यह हाल उसके छोटे भाई से चुदने के कारण हुआ है। कलीम बोल रहा था कि भाईजान का इससे भी बड़ा है। शुक्र है कि तू पहले से लंड खा चुकी है। वरना जमाई का लंड खा के तू मर जाती।

तब अम्मी पूछने लगी- बता, तेरा दिन कैसा रहा ? तूने कितनी बार चुदवाया मामा से ?
अमीरा- अभी अभी तीसरी बार चुदवा के आ रही हूं। अब सो जाओ अम्मी. कल बात करेंगे.

फिर हम सब सो गए।

सुबह अम्मी जल्दी उठ गई और चाय बना कर सबको उठाया।

सब चाय पी चुके तो अम्मी बोली- देख महजबी, हमारे यहां का रिवाज है कि घर की सबसे छोटी बेटी पहले अपने भाई के साथ सोती है, फिर उसकी शादी होती है।
महजबीं- अम्मी, मैं तो रोज सोती हूँ आलम भाई के साथ!

अम्मी- देख बेटी, वो सोना नहीं होता. आज मैं तुमको बताऊंगी कि कैसे करना है।

फिर अम्मी अमीरा को कुछ समझा के बाजार चली गई।

अमीरा मेरी बहन को बाथरूम में ले गई और उसके सारे बाल साफ करके उसकी चूत को हल्दी चंदन से साफ किया।

तब तक अम्मी भी बाजार से आ गयी और मामा को अपने साथ लेकर आई।
अम्मी सबके लिए कपड़े खरीद के लाई।
मेरे लिए मस्त सलवार कुर्ता
अमीरा आपा के लिए पीला सूट
और महजबीं के लिये दो जोड़े!

मामा हाफिज के लिए भी मस्त सफेद सलवार सूट लाई।

मैं- अम्मी हम किसी शादी में जा रहे हैं क्या?
अम्मी- हां बेटा, हम तेरी शादी कर रहे हैं।

सब नए कपड़े पहन के तैयार हो गए।

तभी अमीरा महजबीं को तैयार कर के लाई।
महजबीं तो आज कयामत लग रही थी।

आज वो लाल जोड़े में किसी अप्सरा जैसी लग रही थी।

अम्मी ने उसको काला टीका लगाया।
फिर अम्मी मामा को कहने लगी- भाई जान, आप बाराती हो आलम के … और निकाह भी आपको करवाना है।

सब बैठ गए और मामा ने हमारा निकाह करवा दिया।
पूरा दिन रिवाजों में निकल गया।

शाम को अम्मी ने मुझे महजबीं के कमरे में जाने को कहा।

पर अमीरा ने मुझे गेट पर रोक लिया- अरे जीजू, सील खोलने जा रहे हो। अपनी साली का नेग तो देते जाओ. वरना अंदर नहीं जाने दूँगी।

अम्मी- अरे जाने दे मेरे लाल को … ले पैसे मैं दे देती हूं.

अम्मी ने मुझे पैसे दिए, वाही पैसे मैंने अमीरा को दे दिए।
अमीरा- जाओ भाई जान, फतेह करो। और हां, आराम से करना, कच्ची कली है वो अभी!

मैं अंदर गया और उसके घूंघट को खोल दिया।
उसको मुँह दिखाई का नेग दिया जो अम्मी ने मुझे देने को कहा था।

मेरी बहन महजबीं ने मुझे दूध पीने को दिया.
मैंने आधा दूध पी लिया और आधा दूध उसको पीने के लिए दे दिया।

उसने दूध पी लिया, फिर मैं उसके गुलाबी होटों को चूमने लगा।

महजबीं- भाई जान, ये क्या कर रहे हो? मैं आपकी बहन हूँ।

मैं- मुझे नहीं पता, अम्मी बोली है कि तुम उसको नंगी करके चूमना, मजा करना !

महजबीं- भाई जान, मुझे शर्म आ रही है।
मैं- शर्म किस बात की ? जब हम छोटे थे तब भी साथ में नंगे रहते थे।

फिर बहन चुप हो गई, मुझे उसके मौन में सहमति मिल गई.

अब मैं उसकी गुलाब की पंखुड़ियों जैसे होठों को फिर से चूमने लगा.
बहन भी मेरा साथ दे रही थी।

फिर मैंने उसकी कुर्ती उतार दी और उसके गोल मटोल निम्बू जैसे बूब्स से खेलने लगा.
बहन ने ब्रा नहीं पहनी थी।

मैं देख देख के सब सीख गया था।
अब मैंने बहन को अपना लंड पकड़वा दिया.

तभी मेरी नज़र खिड़की पर पड़ी।
वहां मेरी अम्मी, अमीरा और मामा हाफिज नंगे होकर हमारी सुहागरात देख रहे थे।

मामा ने शायद अम्मी को घोड़ी बना रखा था।

महजबीं मेरे लंड से खेल रही थी।
मैंने उसको लंड चूसने के लिए बोला तो वो इन्कार करने लगी।

मैं ग़ुस्से से- साली रंडी, चुपचाप चूस ले लंड मेरा !
बहन डरकर मेरा लंड चूसने लगी।

अब मैंने उसकी सलवार भी उतार दी और महजबीं की माँसल टांगों को चूमने लगा.

तभी मैंने उसकी पैंटी भी उतार दी।
उसकी चूत बहुत प्यारी लग रही थी, एकदम गुलाब की कच्ची कली जैसी!

मैंने उसकी प्यारी चूत को किस करके उसकी बुर में उंगली डाल दी.
वह चिहुंक गयी।

उधर खिड़की पर अब अम्मी की जगह अमीरा घोड़ी बनी हुई थी और मामा घपाघप पेल रहे थे।

मैं 69 पोजीशन में आकर मेरी बहन की चूत चाटने लगा तो वह मेरा लंड चूसने लगी।

तभी मेरे दिमाग में आइडिया आया कि क्यों ना सबको यहां बुला लिया जाए?

अब मैं बहन से अलग हो गया।

महजबीं- क्या हुआ भाई जान, हट क्यों गए? मुझे अब मजा आने लगा था।
मैं- आगे क्या करना है, मुझे नहीं पता. रुको अम्मी को बुलाता हूँ. वे समझा देंगी।

मैं नंगा ही बाहर चला गया।
मुझे बाहर देख कर सब डर गए और अलग हो गए।
मैं- आप सबने कपड़े क्यों उतार रखे हैं?

अम्मी और मामा सकपका गए।
लेकिन अमीरा बहन ने बात संभाल ली- वो हम सब मालिश कर रहे थे एक दूसरे की … कल की तरह! वो सब छोड़ो, तुम बाहर कैसे आ गए? डर गए क्या मेरी बहन से?

मैं ग़ुस्से से- डरे मेरी जुत्ती, अम्मी आप सब आओ और मुझे समझाओ कि आगे क्या करना है।

अम्मी- चल बाबा चल अब ये भी सिखाना पड़ेगा तुझे ! क्या करूँ तेरी सास से पहले तेरी माँ हूँ. सिखाना तो पड़ेगा।

वे सब नंगे ही मेरे साथ कमरे में आ गये।

अम्मी महजबीं के पास लेट गई और मामा को इशारा करके अपने पास बुलाया।

तब अम्मी बोली- देख बेटा, अब जो मामा मेरे साथ करे, वही तू अपनी बहन के साथ करते रहना.

मामा ने मेरी अम्मी की चूत पर एक किस किया।
मैंने भी महजबीं के चूत पर किस किया.

मामा- देख बेटा, तेरी अम्मी की चूत बड़ी है, उसमें आराम से चला जायेगा., पर महजबीं अभी छोटी है तो आराम से डालना.

फिर मामा ने अम्मी की टांगें कंधे पर रख के अपना पूरा लंड घुसा दिया।

तो मैंने भी महजबीं की टांगे कंधे पर रख के लंड उसकी बुर में डालने की कोशिश की.
पर हर बार लंड फिसल के बाहर चला जाता.

अमीरा ये सब देख रही थी.
अब वह पास आई और मेरे लंड पर थूक लगाया.
उसने महजबीं की चूत भी थूक से भर दी और मुझे बोली- अब एक जोर का झटका मार भाई जान !

मैंने एक झटका मारा।
बहन रोने लगी- आहह हहह मार दिया मुझे … बाहर निकालो इसको … फाड़ दी मेरी बुर !

अमीरा ने अपनी चूत उसके मुंह पर रख दी और मुझे इशारे से झटका मारने को कही।

मैंने एक जोर का झटका मारा, मेरा पूरा लंड अंदर चला गया।
महजबीं के आंसू आ गए, वह छटपटाने लगी, उम्म्म अह उम्म्म की आवाज़ करने लगी. उसके मुंह पर अमीरा की चूत थी इसलिए उसकी आवाज़ ज्यादा बाहर नहीं निकल पाई और वह रोने लगी।

अमीरा- साले बहनचोद, अब जल्दी से धक्के मार … रुक क्यों गया ?
मैं- महजबीं रो रही है. मैं इसका यह दर्द नहीं देख सकता !

अमीरा- साले, जब किसी की फटती है तो दर्द तो होगा ही ! अब धक्के मार … इसको भी मजा आने लगेगा.
फिर मैं धीरे धीरे धक्के लगाने लगा।

उधर अम्मी मामा के नीचे घप्पाघप लंड ले रही थी.

अब अमीरा मामा के पास चली गई और उसका लंड निकाल लिया अम्मी की चूत से … और चूसने लगी।

अम्मी- रांड थोड़ी देर और रुक जा, मैं झड़ने वाली हूँ।

इधर महजबीं को मजा आने लगा- आईई ईओ आह उम्म्म आह !
वह भी नीचे से उछलने लगी थी और मुझे अपने बूब्स पर खींचने लगी.

मैं झुककर उसके नींबुओं को चूसते हुए चोदने लगा।
महजबीं- खसम, अब रफ्तार से चोद … मजा आ रहा है !

जोश में आकर मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी।

अब बहन अकड़ने लगी, वह मुझसे चिपक गई, मैं धक्के लगाता रहा।

कुछ देर बाद अम्मी का पानी निकल गया।
अम्मी अपनी रसभरी चूत को महजबीं से चटवाने लगी।

अब मामा ने अमीरा को घोड़ी बनाया और ताबड़तोड़ चोदने लगे.
अमीरा भी गांड मटका मटका के मजे से चुदवा रही थी।

अब महजबीं का रस निकल गया।
अम्मी उसका सारा रस पी गयी।

सारा पलंग खून से भीगा पड़ा था।

अम्मी- शाबाश बेटा, आज तूने अपनी बहन को लड़की से औरत बना दिया है। अब ये जिसके घर जाएगी, वह बहुत खुश रहेगा।
मैं- महजबीं घोड़ी बन जा, मुझे तेरी गांड मारनी है।

महजबीं घोड़ी बन गई।

अम्मी- रुक, मैं तेल लेकर आती हूँ.

तब अम्मी ने मेरे लंड पर और महजबीं की गांड पर खूब तेल लगा दिया और नीचे लेटकर महजबीं की चूत चाटने लगी.

महजबीं को मजा आने लगा।

उसकी गांड मजे में थोड़ी खुल गई।

मौका मिलते ही एक झटके में मैंने आधा लंड उसकी गांड में डाल दिया।
महजबीं रोने चीखने लगी- साले रंडी के औलाद … बहनचोद … मादरचोद, साले गांड फाड़ दी। आह हहहह आई ईईओ … मार दिया … अम्मी बचाओ मुझे इस राक्षस से!

अम्मी उसकी चूत चाटने लगी जिससे उसका ध्यान भटक गया।

फिर से एक जोर का झटका मार कर मैंने पूरा लंड अंदर डाल दिया।
महजबीं रोती हुई- आईई ईओ आआई ईईया आय हये … मर गई … फाड़ दी मेरी गांड … ओऊ ऊऊओ हईई ईआ हही इया रे हाय बाहर निकाल ले भाई!

मैं डर कर रुक गया.

उधर अमीरा मामा के ऊपर चढ़कर जोर जोर से चुदवाने लगी।

मैं अब धीरे धीरे लंड को आगे पीछे करने लगा.
महजबीं का भी दर्द खत्म हो रहा था।

महजबीं- साले हरामी जल्दी कर, मुझे पेशाब आया है. जोर जोर से पेल साले … तूने तो मेरा मूत निकाल दिया!
अम्मी- बेटी, तू यही मूत दे. यह कार्यक्रम लंबा चलेगा.

महजबीं मूतने लगी, अम्मी पी गई।

अब महजबीं की चूत फिर से लंड के लिए तड़फने लगी- मेरे बहनचोद खसम, अब चूत में लंड डाल … वहां आग लग गई है।

मैंने अपना लंड निकाल लिया।

महजबीं- पहले अपना लंड अम्मी से साफ करवा ले … इस पर गूं लगा है।

मैंने अपना लंड अम्मी के मुख में डाल दिया.
अम्मी ने लंड को मुँह से चाट के साफ कर दिया।

अब बहन को मैं घोड़ी बनाकर खड़े खड़े चोदने लगा।
बहन भी मजे से चुदवाने लगी।

कुछ देर बाद हमने पोजीशन बदली, बहन लेट गयी और मैं उसकी टांगें कंधे पर रख के घपाघप चोदने लगा.

बाकी सब फॅमिली ग्रुप सेक्स से फारिग होकर हमारी चुदाई देखने लगे।

मेरी बहन फिर से अकड़ने लगी और अपने नाखून मेरे कंधे पर गड़ा दिए, अपनी टांगों से मेरी कमर जकड़ ली- भाईई ईईई जाआन मैं गईई ईईई … मेरे होने वाला है।

इधर मैं भी झड़ने वाला हो गया.
हांफते हुए- आय्य या मेरी बहन!

फिर कुछ धक्कों के बाद हम दोनों झड़ गए।

इसके बाद सबने मुझे और महजबीं को बधाई दी।
महजबीं नंगी ही सबके पैर छूने लगी।

अम्मी- बेटी, तू अब बेटी के साथ साथ मेरी बहू भी है। घर में आलम हो तब सिर पर पल्लू रखा कर!

महजबीं खाली चुनरी सिर पर रख के आ गई.

इस पर सब हँसने लगे।

फिर वह मामा के पैर पड़ी तो मामा ने उसकी गांड पर हाथ फेर के आशीर्वाद दिया।
और जेब से हजार रुपये दिए- ये ले तेरी चूत की दिखाई के!

अमीरा भी उसकी चूत पर हाथ फेर के बोली- तुझे रोज मस्त मस्त लंड मिले और तेरी चूत रस से भरी रहे. मेरी यही दुआ है।

फिर अम्मी ने सबको मिठाई खिलाई।

मामा- यार रहमत, अब तो मुझे भी इसकी लेने दो. सील आलम ने तोड़ दी है।

अम्मी ने सबको अपने पास बुलाया- आलम, एक रस्म बाकी है।
फिर वे एक थाली में दूध लाई- देखो बेटा आलम, इसमें एक अंगूठी डालूंगी अगर तुमने पहले उठाई तो तुम राजा … वरना महजबीं रानी! और हां अगर तुम दोनों को किसी और से चुदाई करवानी पड़ेगी.

अम्मी ने पहले से महजबीं को दे दी।
और महजबीं जानबूझकर दूध में हाथ फेरने लगी.
फिर वो सबको अंगूठी दिखाने लगी।

अम्मी- देखो आलम, महजबीं जीत गई है। अब यह रानी है. मतलब ये कुछ भी करे, तू उसको कभी मना नहीं करेगा. यह किसी से भी चुदवा सकती है। तू मना नहीं करेगा.
मैं- ठीक है अम्मी, आज से यह रानी और मैं इसका गुलाम!

अम्मी- महजबीं, रस्म के हिसाब से अब तुझे किसी ओर आदमी से चुदवाना पड़ेगा अब यहां दूसरा आदमी तेरा मामा हाफिज है। तुझे इससे चुदवाना पड़ेगा!

महजबीं- ठीक है अम्मी, पर मेरी एक शर्त है आपको और अमीरा आपा को मेरे खसम से चुदवाना पड़ेगा। मैंने आपको, मामा और अमीरा आपा को चुदाई करते देखा है. कई बार हम दोनों तड़फ के रह जाते थे. उस दिन आपको बबला और बिहारी से चुदते हुए भी देखा था।

अम्मी- ठीक है बेटी, मैं आज अपने बेटे का लंड ले लूंगी. सास बन के चुदाई के वक़्त सास … और वक़्त अम्मी!
अमीरा खुश होती हुई- मैं भी जीजा से चुदवा लूंगी.

मामा हाफिज- मैं अपनी बेटी या बहू किसको चोद रहा हूँ?
अम्मी- आज से यह आपकी बहू और बेटी दोनों है. चोदते वक़्त बहू … और वक़्त बेटी!

फिर सब चालू हो गए।
मामा महजबीं की चूत में लंड डाल के उसको चोदने लगे.

मैं अम्मी की चूत चाटने लगा।
अमीरा मेरे लंड पर बैठकर उछलने लगी।

कुछ देर बाद अम्मी मेरे सामने घोड़ी बन गई, मैं उनकी गांड मारने लगा.
फिर अम्मी लेट गयी तो उनकी चूत मारने लगा.

पूरा कमरा सिसकारियों से, आहों से, घपाघप की आवाज़ से गूँजने लगा.

अब मामा महजबीं को घोड़ी बनाकर ताबड़तोड़ चोदने लगे।

कुछ धक्कों के बाद अम्मी का रस निकल गया। वे वहीं बिस्तर पर लेट गयी।

अब अमीरा ने मेरे नीचे लेटकर अपनी टांगें खुद मेरे कंधे पर रख दी।

अमीरा- जीजू, जोर से चोद … बहुत मजा आ रहा है. फाड़ ड़े अपनी साली की चूत को !

मामा हाफिज भी महजबीं को लिटाकर चोदते हुए अमीरा से- साली हराम की जनी, भोसड़ी वाली … क्यों मेरे साथ मजा नहीं आता था क्या ?
अमीरा- मेरे आका, मेरे खसम, मेरी जान … तब भी मजा आता था, आज भी मजा आ रहा है। यह चूत चीज ही ऐसी है कि लंड अंदर जाते ही मजा आने लगता है … ईई ईईएआई ईईई … जोर जोर से … आहह हह ओह हहह हये ओर जोर से !

मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी.
उधर मामा और महजबीं का भी काम हो गया।

अमीरा भी अब अपना शरीर मेरे से चिपकाने लगी और एक जोर का धक्का खाते ही उसकी चूत ने रस छोड़ दिया।
मैं अभी भी उसको चोद रहा था।

अम्मी- बेटा आलम, अंदर मत गिराना … हम सबको तेरा रस चखना है।

मैंने अपना लंड निकाला तो अम्मी ने महजबीं और अमीरा की चूत को चाट के साफ कर दी।

और अमीरा ने मामा के लंड को चाट के साफ कर दिया।
मामा- आलम रुको, अभी अपना रस मत गिराना. मुझे भी इनके साथ चखा देना !

सब अपने घुटनों पर बैठ गए।
मैं पूरी स्पीड से मुठ मारने लगा।

‘आह मम्म मह उम्म्म उम्म्म’ करके मेरा रस निकल गया।

मैंने सारा रस उन सबके चेहरे पर गिरा दिया.
सब मेरा वीर्य चाटने लगे।

फिर सब थक कर सो गए।

फॅमिली ग्रुप सेक्स कहानी पर अपनी राय मुझे जरूर बताएं.

कमेंट्स में बताएं.
लेखक के आग्रह पर इमेल आई डी नहीं दी जा रही है.

Other stories you may be interested in

लव प्रेम और वासना- 3

अनलिमिटेड सेक्स कहानी में मैं एक लड़की को पसंद करता था. उसकी शादी हो गयी. काफी समय बाद उसने मुझे अपने घर बुलाया. और आखिर मैं उसके साथ बेड पर था नंगा. दोस्तो, मैं संदीप साहू आपको अपनी शादीशुदा प्रेमिका […]
Full Story >>>

सेक्स के अनोखे रंग- 4

सेक्स्क्स प्लेज़र डोमेस्टिक हेल्प कहानी में एक कपल ने एक हाउस कीपर रखी. मालिक से उसके सेक्स सम्बन्ध हो गए. एक बार उन्हें होटल में साथ रहने का मौक़ा मिला तो … कहानी के तीसरे भाग हाउस मेड चुद गयी […]
Full Story >>>

लव प्रेम और वासना- 2

लव सेक्स विद लव कहानी में एक अरसे बाद मैं अपनी उस लड़की के घर में उसके बेडरूम में था जिसके साथ निजी पल बिताने के सपने मैं लम्बे समय से देख रहा था. दोस्तो, मैं संदीप साहू आपको अपनी […]
Full Story >>>

सेक्स के अनोखे रंग- 3

हॉट मेड Xxx कहानी में जवान कामवाली की वासना अपने मालिक मालकिन की चुदाई छुप छुप कर देखने से जाग उठती थी. उसके मालिक की नजर भी उसकी जवानी पर थी. कहानी के दूसरे भाग पति पत्नी की चुदाई देखी […]
Full Story >>>

सेक्स के अनोखे रंग- 2

हॉट कपल Xx कहानी में एक युगल में अपने घर में एक जवान विधवा हाउसकीपर रखी. पति पत्नी का रोमांस और छेड़ाछाड़ी देख कर वह भी गर्म हो जाती थी. उसने उन दोनों की चुदाई भी देखी. कहानी के पहले […]
Full Story >>>